7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 इंसानियत लहूलुहान...

5 बेटी ने मां का गला रेतकर तड़पता छोड़ा

8 एशियाई स्वर्ण पर नजरें

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 48 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 26 मई,2025

सीएम योगी ने किया योजनाओं का शुभारंभ

हर स्कूल में होंगे शिक्षक

माडल विद्यालय से बदलेगी शिक्षा की तस्वीर', सीएम योगी ने किया योजनाओं का शुभारंभ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि सरकार हर विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति और बेहतर शिक्षक–छात्र अनुपात सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निपुण आकलन कार्यक्रम से बीएड और एमएड छात्रों को जोड़ने की अपील की है। साथ ही शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए छात्रों को डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये की धनराशि भेजी गई।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। *मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन में बेसिक शिक्षा विभाग की अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का लक्ष्य हर विद्यालय में शिक्षक की अनिवार्य उपस्थिति और बेहतर शिक्षक–छात्र अनुपात सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जहां शिक्षक होंगे, वहीं छात्रों की संख्या भी बढ़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षक का कार्य सिर्फ पढ़ाना नहीं, बल्कि बच्चों का भविष्य गढ़ना है। जब बच्चे जीवन में आगे बढ़ेंगे, तो अपने शिक्षकों को जरूर याद करेंगे। इसलिए शिक्षक पूरी निष्ठा से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई विद्यालय ऐसे हैं जहां शिक्षक अधिक हैं और छात्र कम, वहीं कुछ स्कूलों में छात्रों की संख्या अधिक है लेकिन शिक्षक नहीं हैं।*

उन्होंने ऐसे मामलों में संतुलन बनाने के लिए शिक्षकों की तैनाती उसी विद्यालय में करने के निर्देश दिए, ताकि हर विषय और कक्षा को सुचारु रूप से पढ़ाया जा सके। उन्होंने स्वीकार किया कि सुधारों के पहले चरण में कुछ विरोध हो सकता है, लेकिन जब परिणाम सामने आएंगे तो विरोध करने वालों के मुंह खुद बंद हो जाएंगे।

बीएड–एमएड छात्रों को जोड़ा जाएगा 'निपुण' से

सीएम योगी ने बेसिक शिक्षा परिषद से अपील की कि बीएड और एमएड कर रहे छात्रों को 'निपुण आकलन' कार्यक्रम से जोड़ा जाए। इसके तहत एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिससे भविष्य के शिक्षक विद्यालयों में चल रहे शैक्षिक परिवर्तनों को नजदीक से देख सकें। इसके लिए एक प्रोफार्मा भी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निपुण प्लस स्पाट असेसमेंट योजना की शुरुआत की, जिससे छात्रों का त्वरित मूल्यांकन कर उनकी शैक्षणिक प्रगति को ट्रैक किया जा सकेगा।

गोरखपुर काम दिलाने के बहाने मासूमों को किया था गुमराह

राहगीरों को देख जंगल में बच्चों को छोड़ भागा अधेड़

बिहार से काम दिलाने के बहाने लाया अधेड़ व्यक्ति जंगल में छोड़ भागा

चाइल्ड लाइन को सौंपे गए बच्चे

संवाददाता, गोरखपुर। एम्स क्षेत्र में गुरुवार की भोर में मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया। बुढ़िया माई मंदिर के पास दो मासूम बच्चे लावारिस हालत में मिले। 11 वर्षीय लड़की और छह वर्ष के लड़के को बिहार से एक व्यक्ति काम दिलाने के बहाने ले आया था। रात में ऑटो से लेकर जंगल में पहुंचा। राहगीरों की नजर पड़ी तो बच्चों को छोड़ भागा। एम्स पुलिस ने दोनों को चाइल्ड लाइन भेजने के साथ ही छोड़कर भागे व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

गुरुवार की भोर में करीब चार बजे स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। मंदिर के पास दो सहमे हुए बच्चों को देखकर वे रुके। बातचीत करने पर बच्ची ने अपना नाम अनामिका और छोटे बच्चे ने अमिताभ बताया। अनामिका के अनुसार, वे मूल रूप से बिहार के सिवान जिले के छोटकी बभनौली, साहब जी का मठिया गांव के रहने वाले हैं। पिछले आठ महीने से महादेव झारखंडी में एक व्यक्ति के घर काम कर रहे थे। बुधवार की रात कुछ घरेलू परेशानी या झगड़े की वजह से वह वहां से निकलकर छावनी स्टेशन पहुंचे। वहां एक अधेड़ व्यक्ति मिला जिसकी एक आंख खराब थी। उसने कहा कि उन्हें काम दिला देगा। इसके बाद ऑटो से लेकर कुसम्ही जंगल के पास पहुंचा और कहा कि यहीं रुको, मैं अभी आता हूं। इसी दौरान रास्ते से गुजर रहे लोग रुके तो गायब हो गया। जिसके बाद वह यहीं पर बैठ गए। जानकारी मिलते ही एम्स थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। प्राथमिक पूछताछ के बाद दोनों बच्चों को चाइल्ड लाइन की टीम को सौंप दिया गया। चाइल्ड लाइन अब बच्चों की काउंसलिंग कर रही है और उनके घरवालों से संपर्क साधने की कोशिश कर रही है।

विनय शंकर तिवारी की रिहाई के बाद बढ़ेगी सरगमी

गोरखपुर आगमन पर जोरदार स्वागत से ताकत दिखाने को तैयार तिवारी हाता

गोरखपुर। 45 दिन बाद पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जमानत दे दी है। एक से दो दिन की प्रक्रिया के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि उनकी रिहाई के बाद गोरखपुर के साथ–साथ प्रदेश में भी राजनीतिक सरगर्मी बढ़ेगी। विनय के गोरखपुर आगमन पर जोरदार स्वागत की तैयारी है और इस स्वागत के जरिए तिवारी हाता अपनी ताकत दिखाने को भी तैयार है। डेढ़ महीने इस परिवार के लिए काफी कठिन बीते। आमतौर पर फ्रंट पर न आने वाली पं. हरिशंकर तिवारी की तीसरी पीढ़ी इस कठिन समय में मोर्चा संभाले नजर आयी। पूर्व सांसद भीष्मशंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी के पुत्र इशान शंकर तिवारी आवास पर मौजूद रहे। हर सवाल का जवाब देने को तैयार रहे। उनके पिता, चाचा की रिहाई की कोशिशों में कानूनी लड़ाई में व्यस्त थे।

लखनऊ से ही है स्वागत की तैयारी

तिवारी हाता से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अब तक कानूनी लड़ाई लड़ी गई। इस कठिन घड़ी में लोगों ने परिवार के सदस्य की तरह संबल दिया। भावुक लोगों को परिवार ने संबल दिया। अब राजनीतिक लड़ाई की बारी है। रिहाई के बाद लखनऊ से ही लंबे काफिले के साथ गोरखपुर प्रस्थान की तैयारी है। तिवारी हाता एक बार फिर अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कराने को तैयार है। लखनऊ से गोरखपुर के बीच जगह–जगह स्वागत की योजना है। गोरखपुर में भी अलग–अलग कार्यक्रम हो सकते हैं।

परिवार की प्रतिक्रिया हर्ष व उल्लास की प्रतिक्रिया है

विनय शंकर तिवारी की रिहाई के आदेश के बाद दैनिक भास्कर की टीम धर्मशाला स्थित तिवारी हाता पहुंची। वहां समर्थकों के साथ पूर्व सांसद कुशल तिवारी के बड़े बेटे इशान शंकर तिवारी व सात्विक तिवारी मौजूद थे। सफेद कुर्ता–पजामा में इशान परिवार की राजनीतिक विरासत को प्रदर्शित कर रहे थे। रिहाई के आदेश पर जब उनकी प्रतिक्रिया पूछी गई तो उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश पर परिवार की प्रतिक्रिया हर्ष व उल्लास का प्रतिक्रिया है। चाचा को बिना किसी बात के 45 दिन तक जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि मुझे एक नागरिक के रूप में भी गर्व हो रहा है। हर नागरिक का संविधान में विश्वास होता है और कोर्ट ने इस विश्वास को एक बार फिर स्थापित किया है।

समर्थक नहीं, मेरे परिवार के सदस्य हैं

45 दिनों के बीच अधिकतर समय इशान शंकर ही तिवारी हाता पर मौजूद थे। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, शुभचिंतकों से उन्होंने ही बात की। इशान बताते हैं कि हमारे लोग हमारे साथ खड़े रहे। उन्होंने जो प्यार दिखाया उससे मैं कह सकता हूं कि वे मेरे समर्थक नहीं बल्कि परिवार के सदस्य हैं। जो मेरे परिवार के सम्मान को अपने सम्मान के साथ लेकर चले, उन्हें मैं समर्थक नहीं कहूंगा बल्कि वो मेरा परिवार हैं। मैं तो एकेडमिक लाइफ जी रहा था। अमेरिका में शोध कर रहा था। यहां आकर देखा तो लगा कि बाबा (पं. हरिशंकर तिवारी) ने कितने लोगों की जिंदगी को छुआ था।

अयोध्या के 22 साल के लेफ्टिनेंट सिक्किम में शहीद

हार्टपेशेंट मां को खबर नहीं दी पिता अमेरिका से रवानाय साथी को बचाने में गई जान

अयोध्या। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी सिक्किम में शहीद हो गए। ऑपरेशनल गश्त के दौरान उनका एक साथी जवान नदी में गिर गया। तेज बहाव में जवान बहने लगा। यह देखकर शशांक नदी में कूद गए।

साथी को तो मौत के मुंह से खींचकर बाहर निकाल लाए, लेकिन खुद जान गंवा बैठे। 22 साल के शशांक का पार्थिव शरीर अयोध्या पहुंचा।

अब आधुनिक और बड़े प्रोजेक्शन सिस्टम पर देख सकेंगे अंतरिक्ष

आधुनिकीकरण 46.88 करोड़ रुपये की लागत

नया प्रोजेक्शन सिस्टम मुंबई की फर्म

46.88 करोड़ से बदलेगी नक्षत्रशाला की सूरत

गोरखपुर के रामगढ़ताल क्षेत्र में स्थित वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला का आधुनिकीकरण जून से शुरू होगा। 46.88 करोड़ रुपये की लागत से नक्षत्रशाला को थ्रीडी तकनीक से विकसित किया जाएगा। मुंबई की एक फर्म को प्रोजेक्शन सिस्टम लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। आधुनिकीकरण के कारण 19 सितंबर 2024 से नक्षत्रशाला बंद है।

संवाददाता, गोरखपुर। *रामगढ़ताल क्षेत्र स्थित वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला को थ्री डी तकनीक से विकसित करने के साथ अत्याधुनिक बनाए जाने का काम जून से शुरू हो जाएगा। कार्यदायी संस्था गोरखपुर विकास प्रधिकरण (जीडीए) ने सिविल वर्क के लिए गाजियाबाद की फर्म मेसर्स खुशी इंटरप्राइजेज का चयन करने के बाद अब प्रोजेक्शन सिस्टम के लिए ग्लोबल टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी कर ली है। मुंबई की फर्म इंफोविजन टेक्नोलाजिस प्राइवेट लिमिटेड को आधुनिक सिस्टम लगाने की जिम्मेदारी सौंपने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।*

सिविल वर्क के लिए फर्म मेसर्स खुशी इंटरप्राइजेज को 11 करोड़ 2 लाख 39 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई जबकि प्रोजेक्शन सिस्टम लगाने के लिए इंफोविजन फर्म को 34.99 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाएंगे। हालांकि फर्म ने टेंडर के अभिलेखों में 36.75 करोड़ दर्ज किया है। प्राधिकरण ने इसे संशोधित कर 34.99 करोड़ करने के लिए पत्र जारी किया है।

पिछले माह ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 46 करोड़ 87 लाख 72 हजार रुपये से वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला के आधुनिकीकरण कार्य का शिलान्यास किया था। प्राधिकरण के मुताबिक सिविल वर्क के लिए चयनित फर्म का कार्य पांच मई से ही शुरू माना जाएगा। नवंबर 2026 तक काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

सीएम योगी के शहर में गरजा बुलडोजर

गोरखपुर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

29 हजार का जुर्माना वसूला गया

अवैध होर्डिंग हटाए गए, चेतावनी जारी

संवाददाता, गोरखपुर। महानगर में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान के क्रम में नगर निगम की टीम ने मंगलवार को पुलिस और यातायात विभाग के साथ मिलकर विजय चौक से सुमेर सागर चौराहा तक अतिक्रमण हटाया। इस दौरान टीम ने सड़क की पटरियों और नालों पर हुए कब्जे को हटाने के साथ ही चालान काट 29,700 रुपये भी वसूले। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध भी दर्ज कराया लेकिन, बड़ी संख्या में पुलिस बल को देख वे बाद में पीछे हट गए।

सम्पादकीय

आपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ–साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ–साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग–अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी–मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है। विजय शाह का मामला तो अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह श्पाखंडश होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं। इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया पर ज्योति के खिलाफ बयानों की भरमार हो गई है और मीडिया ने भी ज्योति के पुराने पोस्ट, ट्रैवल ब्लॉग आदि दिखाकर अपना ट्रायल शुरु कर दिया है। ऐसा ही रिया चक्रवर्ती के साथ किया गया था। खैर, ज्योति पर जासूसी का आरोप लगा है तो साथ ही उन तथ्यों की भी पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर किसके दम पर जासूसी हो रही थी। सेना, विदेश मंत्रालय, गृहमंत्रालय, रक्षा मंत्रालय ऐसे ही महकमों में से कहीं कोई दरार बनी हुई होगी, तभी तो जासूसी का मौका बना। सत्ता प्रतिष्ठान में कौन लोग हैं जो इस किस्म की गद्दारी कर रहे हैं। पांच साल पहले पुलवामा के बाद डीसीपी देविंदर सिंह का नाम भी इसी तरह सामने आया था, फिर क्या कार्रवाई हुई, किस तरह जांच आगे बढ़ी, कुछ पता नहीं।

सेना और न्यायपालिका के सम्मान का सवाल

देश के नए मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई अपना पद संभालने के बाद रविवार को पहली बार अपने गृहराज्य महाराष्ट्र पहुंचे थे। लेकिन उनकी अगवानी के लिए महाराष्ट्र की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला और मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन्द्र भारती, तीनों वरिष्ठ अधिकारी नहीं पहुंचे। यह बात आई–गई हो जाती, अगर खुद जस्टिस गवई इसका जिक्र नहीं करते। क्योंकि मौजूदा दौर के मीडिया में ऐसी बातों का जिक्र अब नदारद है। खुद जस्टिस गवई ने इस बात को छोटा मुद्दा ही बताया, लेकिन जो कुछ उन्होंने कहा उससे जाहिर होता है कि यह मामूली अनदेखी नहीं थी। महाराष्ट्र–गोवा बार काउंसिल के कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि, श्मैं ऐसे छोटे–मोटे मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता, लेकिन मैं इस बात से निराश हूं कि महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान हैं और उन्हें एक–दूसरे के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। प्रोटोकॉल कोई नई चीज नहीं है। यह एक संवैधानिक निकाय द्वारा दूसरे को दिए जाने वाले सम्मान का सवाल है। सीजेआई गवई ने कहा, जब किसी संवैधानिक संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य का दौरा करता है तो उसके साथ जिस तरह का व्यवहार किया जाता है, उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा कि वो इस तरह की छोटी बातों में नहीं उलझना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसे सार्वजनिक रूप से बताने की जरूरत महसूस हुई ताकि लोग इसके बारे में जानें। इसके आगे उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में कहा, अगर मेरी जगह कोई और होता तो अनुच्छेद 142 के बारे में चर्चा होने लगती। ये छोटी–छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन लोगों को इनके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को न्यायिक कार्यवाही में पूर्ण न्याय देने के लिए जरूरी आदेश जारी करने का अधिकार देता है। इसके तहत न्यायालय को व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करने का भी अधिकार है। कुछ समय पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका के शक्तिशाली होने के संदर्भ में इस अनुच्छेद को परमाणु मिसाइल कहा था। बहरहाल, जस्टिस गवई की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद तीनों शीर्ष अधिकारी दादर स्थित चौत्यभूमि पहुंचे, जहां प्रधान न्यायाधीश ने डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। सीजेआई गवई ने कहा, सीजेआई बनने के बाद मैं पहली बार चौत्यभूमि आया हूं। मैं यहां डॉ. अंबेडकर का आशीर्वाद लेने आया हूं।

मैं प्रोटोकॉल को लेकर ज्यादा परेशान नहीं हूं। मैंने बस इसका जिक्र किया है। जानकारी के लिए बता दें कि देश के मुख्य न्यायाधीश जब किसी राज्य का दौरा कर रहे हों, तब उनकी अगवानी और स्वागत से लेकर ठहरने तक प्रोटोकॉल का पालन करना होता है। इसके लिए राज्य के प्रमुख अधिकारी मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और संबंधित अफसरों को अगवानी के लिए उपस्थित होना चाहिए। राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री भी स्वागत समारोह में उपस्थित हो सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश के लिए एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा घेरा सुनिश्चित किया जाता है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी गेस्ट हाउस की व्यवस्था की जाती है। यदि मुख्य न्यायाधीश किसी न्यायिक या विधायी कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं तो राज्य के प्रमुख न्यायिक अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहते हैं। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन और आपसी सम्मान बनाए रखने के लिए प्रोटोकॉल का पालन जरूरी माना जाता है। लेकिन जस्टिस गवई के मुंबई दौरे के शुरुआती पलों में यह प्रोटोकॉल नदारद रहा। ऐसा नहीं है कि प्रशासन के इतने वरिष्ठ अधिकारी इस सामान्य जानकारी से अनभिज्ञ होंगे। लेकिन किस वजह से उन्होंने मुख्य न्यायाधीश की अगवानी के लिए उपस्थित होना जरूरी नहीं समझा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। सवाल यह भी है कि क्या महाराष्ट्र सरकार अपने इन अधिकारियों से इस संदर्भ में कोई जवाब–तलब करेगी, या यह बात आई–गई हो जाएगी। क्या जस्टिस गवई की जाति या धर्म का इस प्रकरण से कोई वास्ता है। और सबसे गंभीर सवाल यह कि भाजपा शासित राज्य में ऐसा होने का क्या अर्थ है। क्योंकि इससे पहले भाजपा के ही सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर गृहयुद्ध करवाने जैसे गंभीर और बेहूदा आरोप लगाए थे। भाजपा ने अपने सांसद की ऐसी धृष्टता पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की। भाजपा के शासन में ही बार–बार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच कौन बड़ा है इसकी बहस खड़ी हो रही है। जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति हैं, फिर भी उन्होंने परमाणु मिसाइल जैसा बयान दिया था। निशिकांत दुबे भी ऐसे सवाल उठा चुके हैं। हालांकि मुंबई में जस्टिस गवई ने एक बार फिर कहा है कि न तो न्यायपालिका, न ही कार्यपालिका और न ही संसद सर्वोच्च है, बल्कि भारत का संविधान सुप्रीम है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है। भाजपा के उठाए सवालों का जवाब मुख्य न्यायाधीश के इस बयान में मिल जाता है। अब भाजपा को भी देश की सत्ता पर काबिज होने और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते इन सवालों का जवाब देना चाहिए कि आखिर क्यों उसके राज्य में मुख्य न्यायाधीश के लिए प्रोटोकॉल निभाने में अनदेखी की गई। सेना और न्यायपालिका इन दो संस्थाओं की साख देश में तमाम राजनैतिक लाभालाभ से परे बनी रही है।

आ रहे हैं घर सभी जद में

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान–पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से अनेकता में एकता हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की जरूरत होती है।

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान–पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान–पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा–खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों–कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर जोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में एक्स्क्यूज मी कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने–पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक–दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाजार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाजार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज़्ज़ा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है।

ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र–कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि श्अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें।श इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि श्आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा।श इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। इस महीने की शुरुआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि श्वे बंगाल से थे।श गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज जताया था।

इंसानियत लहूलुहान...

वीडियो बनाते रहे लोग, सड़क पर तड़पता रहा खून से लथपथ युवक, गड़ासे से काटता रहा सिरफिरा

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर इलाके में बुधवार सुबह पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस) के एक कर्मचारी ने सड़क पर दौड़ा–दौड़ाकर तीन सहकर्मियों पर गड़ासे से हमला कर दिया। हमला करने के बाद वह ऑटो से भाग गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। गोरखपुर के शाहपुर इलाके में पादरीबाजार से खजांची चौराहे को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क पर हाथ में गड़ासा लेकर दौड़ते हमलावार रविंद्र सोनकर को देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। आरोपी ने बुधवार सुबह 7रू30 बजे बीच सड़क पर दौड़ाकर विवेक सिंह पर गड़ासे से 10 पर वार किए। इसके बाद तड़पते हुए उन्हें छोड़कर बड़े आराम से भागा।

वहीं लोग तमाशाई बनकर दूर खड़े होकर वीडियो बनाते रहे। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इसमें हमलावर दौड़ाकर मारता हुआ दिख रहा है। सुबह हैरान कर देने वाला दृश्य तब दिखा, जब खून से लथपथ विवेक सिंह बीच सड़क पर तड़पते हुए उठने का प्रयास कर रहे थे। उनके आस–पास से लगातार गाड़ियां निकल रही थीं और अगल–बगल दुकानों के छिपकर व छतों पर खड़े होकर लोग यह सब देख रहे थे। कोई मदद के लिए नहीं आया। पुलिस ने घटना का सीसीटीवी फुटेज साक्ष्य के तौर पर अपने पास भी सुरक्षित रखा है। इधर, पुलिस आरोपी की तलाश में महाराजगंज में दबिश दे रही है। ऑटो चालक को दिखाया गड़ासापूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस) के तीन कर्मचारियों पर हमला करने के बाद भीड़ के बीच कुछ देर तक आरोपी रविंद्र सोनकर टहलता रहा। थोड़ी देर बात एक सड़क से गुजर रही एक ऑटो को रोका। चालक ने हाथ व कपड़े में खून लगा देखकर ले जाने से इन्कार कर दिया। तब आरोपी ने गड़ासा निकालकर उसे चलने के लिए कहा। जिसे देखकर चालक डर गया और आरोपी को बैठाकर खजांची चौक की तरफ निकला। यह सब कुछ भी वहां खड़े लोग देख रहे थे।

महराजगंज स्थित घर पर पुलिस ने दी दबिश

शाहपुर पुलिस घटना के बाद महराजगंज जिले के बेदौली टोला बनरहिया में आरोपी रविंद्र सिंह के घर पर दबिश दी। परिजनों ने बताया कि रविंद्र के तीन बच्चे हैं। वह घर पर पत्नी व बच्चों को भी हमेशा मारता–पीटता रहता है। रविंद्र चार भाई हैं, उसके तीन भाई भी उससे परेशान रहते हैं। जब भी घर जाता है, उनसे भी लड़ता–झगड़ता है।

गोरखपुर में सिरफिरे ने तीन सहकर्मियों पर किया गड़ासे से हमला

गोरखपुर के शाहपुर इलाके में बुधवार सुबह पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस) के एक कर्मचारी ने सड़क पर दौड़ा–दौड़ाकर तीन सहकर्मियों पर गड़ासे से हमला कर दिया। हमला करने के बाद वह ऑटो से भाग गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। हमले में तीनों कर्मचारी घायल हो गए। एक कर्मचारी विवेक सिंह की गर्दन पर गंभीर चोट लगने से हालत गंभीर है। सभी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। घटना की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना की सूचना पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी, सीओ गोरखनाथ रवि सिंह ने शाहपुर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन की। पुलिस घायल अर्तनेश्वर राय की तहरीर पर आरोपी कर्मचारी महराजगंज जिले के बेदौली गांव के टोला बनरहिया निवासी रविंद्र सोनकर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के पादरी बाजार में पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति केंद्र है। इस संस्था में बिहार के सिवान के अर्तनेश्वर राय सहायक कर्मचारी हैं। जौनपुर के विवेक सिंह दो वर्षों से विकलांग बच्चों को पढ़ाने और देखभाल काम करते हैं। जबकि, कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया निवासी सुखल कुमार पांच वर्षों से सुरक्षा गार्ड का काम करते हैं। वहीं आरोपी महराजगंज निवासी रविंद्र सोनकर एक वर्ष से गाय–भैंस की देखभाल कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह 7रू30 के करीब रविंद्र सोनकर ने परिसर में किसी बात को लेकर कर्मचारी विवेक सिंह से हुए विवाद के बाद गड़ासा लेकर उन्हें दौड़ा लिया। विवेक बचाओ–बचाओ कहते हुए सड़क की तरफ भागे। गार्ड सुखल और अर्तनेश्वर राय ने आरोपी को रोकना चाहा। इसी दौरान आरोपी ने गार्ड के हाथ और अर्तनेश्वर के सिर पर हमला कर दिया।

जिला सैनिक बंधु की बैठक

डीएम कुशीनगर का निर्देश– पूर्व सैनिकों की शिकायतों को गंभीरता से लें, कराएं निस्तारित

कुशीनगर। बैठक में उपस्थित 38 पूर्व सैनिक व विधवा महिलाओं ने पटल पर पांच शिकायतें रखीं। इसमें जमीनी विवाद और जीपीएफ भुगतान से संबंधित थे। इन शिकायतों का निस्तारण करने के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में बृहस्पतिवार को जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई। इसमें आए शिकायतों का गंभीरता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के करने के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित 38 पूर्व सैनिक व विधवा महिलाओं ने पटल पर पांच शिकायतें रखीं। इसमें जमीनी विवाद और जीपीएफ भुगतान से संबंधित थे।

इन शिकायतों का निस्तारण करने के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में सिविल डिफेंस कार्पस की स्थापना कर पूर्व सैनिकों व सेवारत सैनिको की समस्याओं का निराकरण पर चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि बैठक में प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक हित एवं मुद्दों को बैठक में सबसे पहले रखें। बैठक का संचालन प्रभाकर नाथ तिवारी ने किया। इस दौरान विंग कमांडर आलोक सक्सेना, जिला समाज अधिकारी संदीप चौधरी, वरिष्ठ कोषाधिकारी सुनील यादव, परियोजना निदेशक जगदीश तिवारी, डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, डॉ. मेजर एमके बरनवाल, कैप्टन शमसुद्दीन अंसारी, कैप्टन लाल बहादुर त्रिपाठी, कैप्टन दयाशंकर पांडेय आदि मौजूद रहे।

मेरी हत्या हो जाएगी..., डाक्टर के दावे पर पत्नी बोली– राज खुला तो इमोशनल ब्लैकमेलिंग पर उतरे

संत कबीर नगर। डॉ वरुणेश दूबे ने आरोप लगाया कि पत्नी और उसके परिवार के लोग एक षड़यत्र के तहत उनकी हत्या करना चाहते हैं। उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसमें उनकी पत्नी के परिवार के लोग भी शामिल हैं। उनके दो साले संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहे है, इसलिए उन्हे फंसाया गया है, ताकि वह आत्महत्या कर ले, लेकिन वह आत्महत्या नहीं करेंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खलीलाबाद के अधीक्षक तथा जिला जेल के चिकित्सक डॉ वरुणेश दूबे ने अपने उपर अश्लील वीडियो बनाकर पेड वेबसाइट पर अपलोड करने का केस दर्ज होने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने वीडियो जारी करके अपनी हत्या की आशंका जताई है, वही पत्नी शिम्पी पांडेय ने उनके इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए उसे इमोशनल ब्लैकमेलिंग करार दिया है।

डॉ वरुणेश दुबे ने मंगलवार की देर शाम एक वीडियो जारी किया। उस वीडियो ने उन्होंने कहा है कि वह लालची लोगों के चंगुल में फंस गए हैं। यह लोग एक षड़यत्र के तहत उनकी हत्या करना चाहते हैं। उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसमें उनकी पत्नी के परिवार के लोग भी शामिल हैं। उनके दो साले संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहे है, इसलिए उन्हे फंसाया गया है, ताकि वह आत्महत्या कर ले, लेकिन वह आत्महत्या नहीं करेंगे, अगर उनके साथ कोई घटना होती है तो इसके जिम्मेदार उनकी पत्नी और उसके घर वाले होंगे। वहीं उनकी पत्नी शिम्पी पांडेय ने का कहना है कि चिकित्सक इमोशनल ब्लैकमेलिंग में जुट गए हैं।

अब उनके सारे राज खुल गए हैं। उनके द्वारा जितने कुकृत्य किए गए हैं, वह एक एक करके सामने आ रहे हैं। उनके सारे एकाउंट के साथ ही उनके मोबाइल की भी पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए। उसी में सारे राज छिपे हु□ए हैं। अब वह जनता की भावनाओं के साथ खेल रहे हैं। लेकिन उनकी यह नीति काम नहीं आएगी। जो सत्य है, वह उजागर होकर रहेगा।

रीना राय के अकाउंट से अपलोड हुए वीडियो

इंस्टाग्राम के जिस अकाउंट से यह अश्लील वीडियो अपलोड हुए हैं, यह सभी रीना राय नामक एकाउंट से अपलोड हुए हैं।

रीना राय नाम का वह एकाउंट जिसमें यह सारे वीडियो डाले गए थे वह अब इनेक्टिव हो गया है। वह अब दिखाई ही नहीं दे रहा है। अगर चिकित्सक इसमें लिप्त नहीं थे तो फिर इस एकाउंट को आखिर क्यों और किसने बंद किया।

लगातार बदल रहे हैं इंस्टाग्राम के स्टेटस

चिकित्सक के द्वारा इस्टाग्राम स्टेटस को बदला जा रहा है। इस इंस्टाग्राम स्टेटस में इस बात की में वह खुद को बेकसूर बताते नजर आ रहे हैं। यही नहीं महिलाओं के द्वारा पुरुषो पर हिंसा करने के समाचार पत्रों आर्टकिल भी लगाए जा रहे हैं। यही नहीं पत्नी के द्वारा सीसीटीवी कैमरा तोड़ने का वीडियो भी स्टेटस पर लगाया जा रहा है।

पुलिसिया तंत्र सारी चीजें कर लेगा रिकवर

पुलिस इस मामले को खोलने में पूरी तरह से लग जाए, तो वह मामले की तह तक जा सकता है। पुलिस के लिए यह पता लगाना बाएं हाथ का खेल है कि वीडियो किस जगह से लोड हुए, वीडियो लोड करने वाला मोबाइल किसका था, किस इंटरनेट का प्रयोग हुआ था। उस एकाउंट में कितने वीडियो थे। लेकिन यह तभी संभव है जब पुलिस मन से लगे।

उच्चाधिकारियों से भी गुहार लगाएगी पत्नी

चिकित्सक की पत्नी शिम्पी पांडेय इस मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों व कर्मचारियो के साथ ही स्वास्थ्य महानिदेशक से भी गुहार लगाएंगे। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग का स्थानीय अमला पूरी तरह से चिकित्सक के प्रभाव में है। चिकित्सक के उपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बल्कि स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी चिकित्सक को महिमामंडित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस कराएगी सारे वीडियो की जांच

पुलिस ने पत्नी शिम्पी पांडेय के पास मौजूद सारे वीडियो पेन ड्राइव में एकत्र करके मांगा है। इन सारे वीडियो को विधि विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा जाएगा। वहां पर जांच के बाद यह पता चल जाएगा कि यह सारे वीडियो प्राकृतिक तरीके से बनाए गए हैं, या फिर इसमें किसी तकनीकी का उपयोग करके इसको बनाया गया है।

कौओं से फैला संक्रमण भोपाल की रिपोर्ट में हुई पुष्टि

चिड़ियाघर में बढ़ा दी गई सतर्कता

बदायूं। कौओं में संक्रमण की पुष्टि के बाद अब पूरे शहर के लिए खतरा बढ़ गया है। यह संक्रमित कौवे जहां भी जाएंगे वहां संक्रमण का डर है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू संक्रमण कौओं और प्रवासी पक्षियों से फैल रहा है। पिछले दिनों चिड़ियाघर प्रशासन ने चार कौओं का सैंपल राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा था। इनमें से तीन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

कौओं में संक्रमण की पुष्टि के बाद अब पूरे शहर के लिए खतरा बढ़ गया है। यह संक्रमित कौवे जहां भी जाएंगे वहां संक्रमण का डर है। चिड़ियाघर प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। अब सभी जानवरों का सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा। उधर, दर्शकों के लिए चिड़ियाघर अभी कुछ दिन और बंद रह सकता है।

यूपी के इस शहर में बकाएदारों के घर की बिजली गुल

गोरखपुर में बिजली विभाग ने बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया जिसमें कई कनेक्शन काटे गए और ज्यादा बिजली इस्तेमाल करने वालों पर कार्यवाही की तैयारी है। मोहद्दीपुर उपकेंद्र में नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। सरदार नगर में लाइन पर पेड़ गिरने से आपूर्ति बाधित रही। निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों ने प्रदर्शन किया।

संवाददाता, गोरखपुर। बिजली चोरी की रोकथाम के लिए जारी अभियान में गुरुवार को बिजली विभाग की टीम ने 524 से अधिक कनेक्शनों की जांच की। 38 उपभोक्ता निर्धारित भार से अधिक बिजली का उपभोग करते पाए गए, उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। साथ ही बकाए में 87 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। टीम ने विवेकपुरम, रानीबाग, कुर्मियान टोला, तिवारीपुर, शंकर चौराहा, सैनिक विहार, खोराबार, संत हुसैन नगर, भगवानपुर कोईरी क्षेत्र में बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण किया। अधीक्षण अभियंता शहर इ. लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अधिशासी अभियंताओं, उपखंड अधिकारियों, स्मार्ट मीटर टीम व विजिलेंस टीम के निरीक्षण के दौरान स्वीकृत भार से अधिक बिजली का उपभोग करते पाए गए 38 उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। इस दौरान 168 स्मार्ट मीटर व 20 से अधिक फ्यूजसेट और टेललेस यूनिट लगाई गई। राजस्व संग्रह केंद्रों पर 109. 31 लाख तथा 50 लाख से अधिक का आनलाइन भुगतान प्राप्त किया गया।

एक लाख का इनामी ढेर एसओ को लगी गोली...

बुलेट–प्रूफ जैकेट ने बचाई जान, बदमाश पर 48 मुकदमे दर्ज

गोंडा। पुलिस से मुठभेड़ में एक लाख का इनामी ढेर हो गया। उस पर 48 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस दौरान एसओ को भी गोली लगी। लेकिन, बुलेट–प्रूफ जैकेट पहने होने की वजह से वह बाल–बाल बच गए। यूपी के गोंडा में सोमवार की आधी रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश ढेर हो गया। उसकी पहचान सोनू उर्फ भुर्रे निवासी कादीपुर, करनैलगंज के रूप में हुई। इस पर एक लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ उमरी बेगमगंज क्षेत्र के सोनौली गांव के पास हुई। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि 24 अप्रैल को उमरी के डिक्सिर गांव में चोरी के दौरान हत्या के मामले में पुलिस को सोनू की तलाश थी। सोमवार की रात उसके सोनौली गांव के पास होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखकर बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली एसओ की बुलेट–प्रूफ जैकेट में लगी। इससे वह बाल–बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में सोनू को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनू के खिलाफ 48 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह एक लाख का इनामी था।

किसानों के लिए खुशखबरी....

खातों में पहुंचने लगे रुपये, 400 करोड़ और मिलेंगे, 15 साल का इंतजार हुआ खत्म

आगरा। किसानों के लिए अच्छी खबर है। 15 साल से भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के लिए परेशान किसानों के खाते में रुपये पहुंचने लगे हैं। आगरा इनर रिंग रोड स्थित रहनकलां व रायपुर गांव में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 15 साल बाद मुआवजा मिलने लगा है। एक महीने में करीब 100 करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में पहुंच गए हैं। 400 करोड़ रुपये और मिलेंगे। आगरा विकास प्राधिकरण ने 2009–10 में रहनकलां व रायपुर में 442 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की थी। राजस्व अभिलेखों में एडीए का नाम दर्ज हो गया, लेकिन किसानों को मुआवजा नहीं मिला। बिना मुआवजा किसानों ने एडीए को भूमि पर कब्जा नहीं करने दिया। महाकुंभ में कैबिनेट बैठक बुलाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित किसानों को मुआवजा बांटने के आदेश दिए थे। जिसके बाद एडीए ने करीब 300 करोड़ रुपये जिला भूमि अध्याप्ति कार्यालय में मुआवजा बांटने के लिए जमा कराए। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुन्मोली ने बताया कि किसानों को करीब 100 करोड़ रुपया बांटा जा चुका है। जुलाई तक सभी किसानों को मुआवजा बांट दिया जाएगा।

रहनकलां में बनेगा ग्रेटर आगरा

एक तरफ एडीए ककुआ और भांडई में नई टाउनशिप विकसित कर रहा है। दूसरी तरफ इनर रिंग रोड स्थित रहनकलां में ग्रेटर आगरा विकसित होगा। मुआवजा वितरण के बाद एडीए भूमि पर भौतिक कब्जा लेगा। पीपीपी मॉडल पर यहां आवासीय परियोजना विकसित करने का प्रस्ताव है। वहीं, प्रभावित किसानों का कहना है कि एडीए 15 साल पुरानी सर्किल रेट से मुआवजा बांट रहा है। जमीन की कीमत चार गुना बढ़ चुकी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग में टूटकर गिरा पहाड़

आवाजाही ठप, फंसी गाड़ियां, श्रद्धालु परेशान

पिथौरागढ़। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर ऐलागाड़ और कुलागाड़ के बीच सोमवार देर रात हुए भूस्खलन के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। विशालकाय चट्टान खिसककर सड़क पर आ जाने से वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है, जिससे यात्री मार्ग में फंस गए हैं। पिथौरागढ़ जिले में पहाड़ी दरकने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बंद हो गया है। वाहनों का संचालन ठप होने से सैकड़ों की संख्या में यात्री मार्ग में फंसे हुए हैं। आपदा प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर ऐलागाड़ और कुलागाड़ के बीच में सोमवार देर रात विशालकाय चट्टान खिसककर सड़क पर आ गया। इससे वाहनों का संचालन ठप है। आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन को जा रहे और लौट रहे यात्री मार्ग में ही फंसे हुए हैं। बीआरओ ने सड़क खोलने का काम शुरू कर दिया है। विशालकाय चट्टान गिरने के कारण बंद मार्ग को आज देर शाम तक खुलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धारचूला के एसडीएम मंजीत सिंह ने बताया कि मार्ग पर भारी चट्टान गिरा हैं। बोल्डर और मलबा हटाने का कार्य जारी है। शाम तक सड़क को वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा।

भतीजे से अफेयर... पति का कत्ल, ड्रामेबाज पत्नी रीनू का चौंकाने वाला कबूलनामा, सुहाग उजाड़ने की वजह भी बताई

कानपुर । लक्ष्मणखेड़ा गांव में हुई धीरेंद्र पासी की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। धीरेंद्र की पत्नी का उसके भतीजे से प्रेम प्रसंग था। दोनों मिलकर ही धीरेंद्र की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। देशभर में प्रेमी या प्रेमिका के लिए अपने पति या पत्नी के कत्ल करने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के कानपुर से भी एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पत्नी ने ऐसा ड्रामा दिखाया कि पुलिस भी उसमें उलझ गई। पुलिस ने पत्नी की बातों पर विश्वास कर बेगुनाह लोगों को जेल भेज दिया। हालांकि अब उन्हें जेल से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फॉरेंसिक और पुलिस जांच में सात दिन बाद ऐसा खुलासा हुआ, जिसे जानकर हर कोई हैरान रह गया। इस हत्याकांड ने मेरठ में हुए सौरभ हत्याकांड की यादें ताजा कर दीं। क्योंकि जिस शख्स का रात में कत्ल हुआ, उसे नींद की गोलियां दी गईं थीं।

जिस समय उसे मारा गया वो गहरी नींद में था। पत्नी ने रात में अपने प्रेमी भतीजे के साथ पति को बर्बरता से मार डाला। आइए जानते हैं पूरी कहानी

कानपुर के भीतरगांव के साढ़ के लक्ष्मणखेड़ा गांव में 11 मई को घर के पीछे चारपाई पर धीरेंद्र पासी की लाश मिली थी। शव खून से लथपथ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पत्नी ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने दो लोगों को मामले में गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया। मामले की पुलिस और फॉरेंसिक जांच जारी रही।

जांच में चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी। धीरेंद्र की पत्नी रीना ने प्रेमी भतीजे सतीश (सगे जेठ के लड़के) के साथ मिलकर पति की हत्या की थी। पति को दोनों के अफेयर की जानकारी हो गई थी। इस पर वह घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाना चाह रहा था। इसी डर के चलते पत्नी ने पति को खाने में नींद की गोलियां मिलाकर खिलाई। उसके बेसुध होने के बाद प्रेमी को घर बुलाया और आधी रात को लकड़ी के गुटके से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। साढ़ पुलिस ने रविवार को दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

एक–एक दिन में 60 से 100 कॉल

एडीसीपी महेश कुमार ने बताया घटना के दिन ही हत्यारे के घर के करीबी होने की आशंका थी। धीरेंद्र की पत्नी रीना की कॉल डिटेल से चौंकाने वाले राज निकलकर सामने आए। रानी और उसके प्रेमी सतीश के बीच एक–एक दिन में 60 से 100 कॉल होने की डिटेल पुलिस को मिली। पूछताछ में दोनों के प्रेम संबंधों का खुलासा हो गया। पूछताछ में पता चला कि सतीश ने अपनी आईडी से दो सिम खरीदे। एक रीना को दिया और एक अपने पास रखा। घटना की रात दोनों एक दूसरे के संपर्क में थे।

सब्जी में नींद की गोलियां मिलाकर खिलाई

पुलिस की जांच में सामने आया कि धीरेंद्र पासी घर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए गेहूं बेचकर बीस हजार रुपये भी इकट्ठा कर लिए थे। कैमरे की भनक पर रीना ने उसकी सब्जी में नींद की गोलियां मिलाकर खिला दी। फिर गर्मी होने की बात कह चारपाई घर के पीछे खुले में डाल दी। वहीं पति से बातें करती रही।

धीरेंद्र गहरी नींद में सो गया, जबकि सास चंद्रावती और मासूम बेटे ओनल को कमरे के अंदर कूलर में सुला दिया था। फिर सतीश को घर बुलाकर बाथरूम के ऊपर टांड़ में रखे लकड़ी के गुटके से सिर में ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया।

लकड़ी के टुकड़े को धोने से फैला था पानी

पुलिस को सतीश ने बताया कि हत्या के बाद लकड़ी के गुटके को धोने के लिए बाथरूम में ले जाने से आंगन और कमरे में खून फैलता चला गया। उसने रीना के साथ मिलकर आंगन व कमरे की धुलाई की। कपड़े धुलने के बाद दोनों ने रात में ही बाथरूम में नहाया। फिर वह घर के बाहर बने बगीचे में जाकर सो गया। जब सब लोग शव को देख रहे थे। उसने बेहोश होने का नाटक किया था ताकि कोई उसपर शक न करे।

भाई के छत से गिरने से टल गया था हत्या का प्लान

भतीजे से प्रेम परवान चढ़ने के बाद रीना हर हाल में पति को रास्ते से हटाना चाहती थी। सतीश के मुताबिक धीरेंद्र की हत्या एक माह पहले होनी थी, लेकिन उसी उसी रात भाई मनीष के छत से गिरने से मामला टल गया था। धीरेंद्र का गांव के युवक से विवाद का फायदा लेने के लिए कीरत कुमार, उनके बेटे रवि और भाई राजू पर हत्या का आरोप लगा दिया।

पत्थर दिल परिवार

दूसरी बेटी जन्मी तो सुनसान इलाके में छोड़ गईं दादी–नानी, मजदूरों ने बचाई मासूम की जान

संवाद न्यूज एजेंसी, शाहजहांपुर । दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। दो महिलाएं नवजात बच्चों को सुनसान जगह पर छोड़कर चली गईं। आसपास काम कर रहे मजदूरों ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो वह मौके पर पहुंचे। गड्ढे में मासूम बच्ची को देख उनके होश उड़ गए।शाहजहांपुर में नगर निगम के निर्माणाधीन कार्यालय के पास सोमवार को नवजात बच्ची को उसकी दादी–नानी छोड़कर चली गईं। इस बीच वहां काम कर रहे मजदूरों ने देखकर पुलिस को सूचना दे दी। तुरंत उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति ठीक है। बताया जा रहा है कि दूसरी बच्ची के जन्म लेने और उसका होंठ कटा होने के कारण दोनों ने ऐसा किया था।

नगर निगम के निर्माणाधीन कार्यालय के पास सोमवार दोपहर करीब 12 बजे दो महिलाएं झोले में बच्ची को लेकर पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि इससे पूर्व दोनों काफी देर तक ककरा काकरकुंड पुल पर भी खड़ी रहीं, जब वहां पर लोगों का आना–जाना देखा तो दोनों निर्माणाधीन कार्यालय के पास पहुंच गईं। उन्होंने बच्ची को पास में बने एक गड्ढे में रख दिया और तेजी से वहां से चली गईं।

बच्ची के रोने की आवाज पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। बच्ची को देखकर उन लोगों ने उसे उठा लिया। इसके बाद 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और आनन–फानन बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि बच्ची का होंठ कटा हुआ है। शुरुआत में उसको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इलाज के बाद अब उसकी हालत अब ठीक है।

सदर बाजार की रहने वाली है महिला

इंस्पेक्टर अश्वनी सिंह ने बताया कि बच्ची के माता–पिता का पता चल गया है। मामले की जांच की जा रही है। उन पर कार्रवाई की जाएगी। चाइल्डलाइन और सीडब्ल्यूसी टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस की जांच में पता चला है कि बच्ची को जन्म देने वाली महिला थाना सदर बाजार क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में जन्म के बाद सोमवार दोपहर को अस्पताल से छुट्टी कराकर प्रसूता घर चली गई थी, लेकिन सोमवार को बच्ची को उसकी नानी और दादी लेकर निर्माणाधीन नगर निगम पास उसे लावारिस छोड़ने पहुंची थीं।

वैश्विक हिंदी महासभा द्वारा संचालित अखिल भारतीय हिंदी परिषद कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

लखनऊ,संवाददाता। वैश्विक हिंदी महासभा द्वारा संचालित अखिल भारतीय हिंदी परिषद, के अवध प्रांत का वरिष्ठ साहित्यकार डॉ०दिनेशचंद्र अवस्थी (संरक्षक) एवं इं. सुनील कुमार बाजपेयी (अध्यक्ष) के निर्देशन में गोमती नगर, लखनऊ में पुनर्गठन किया गया।

वरिष्ठ साहित्यकार सर्वश्री सुशीलचंद्र श्रीवास्तव को महामंत्री,राजीव वर्मा वत्सल को उपाध्यक्ष, डॉ०उमेश चन्द्र वर्मा श्आदित्यश को संयुक्त महामंत्री एवं श्री आलोक दुबे को कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि साहित्यकार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० विजयानन्द,विशिष्ट अतिथि डॉ० अमिता दुबे ने डॉ०दिनेशचंद्र अवस्थी एवं इं. सुनील कुमार बाजपेयी को दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए वैश्विक हिंदी सम्मान– 2025 से सम्मानित भी किया।

अवध प्रांत की उपाध्यक्ष डॉ० रश्मिशील शुक्ला,श्री हौसला प्रसाद त्रिपाठी कुमार तरलश प्रचार प्रमुख श्रीमती इंद्रासन सिंह,श्रीमती पुष्पा अवस्थी,श्री नरेशचंद्र अवस्थी,श्रीमती कल्पना अवस्थी,अनिल कुमार वर्मा, प्रभाकर आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

पार्षद की जनता के लिए सौगात

लखनऊ,संवाददाता। वृंदावन कालोनी, गिरधर कुंज, सेक्टर 5 बी/5 के पार्क में स्थानीय पार्षद श्रीमती रजनी अवस्थी के प्रतिनिधि संजू अवस्थी द्वारा सभासद निधि से एक सबमर्सिबल की बोरिंग का उद्घाटन विधिवत नारियल फोड़ कर किया गया.इसी स्थल पर वाटर टैंक की स्थापना भी प्रस्तावित है। इस अवसर पर कालोनी के अनेक संभ्रांत व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए पार्षद जी का आभार व्यक्त किया।

एशिया के सबसे लंबे धर्मेंद्र लखनऊ में खोलेंगे स्टार्टअप

तुर्किये के सुल्तान के बाद आता है नाम

कहा– जैसा कद, वैसा काम करूंगा

लखनऊ। दुनिया के दूसरे और एशिया के सबसे लंबे कद (8 फुट 2 इंच) वाले धर्मेंद्र प्रताप सिंह हाल ही में लखनऊ पहुंचे। वह अब लखनऊ में स्टार्टअप खोलने जा रहे हैं। यहां उन्होंने दैनिक भास्कर को अपनी पूरी प्लानिंग बताई। बता दें कि उनसे लंबे तुर्किये के (तत्कालीन सुल्तान 2009) कोसेन हैं।

उनकी लंबाई 8 फीट 3 इंच है। प्रतापगढ़ के रहने वाले धर्मेंद्र सिंह अब लखनऊ में सरसों के तेल का स्टार्टअप शुरू करेंगे। यहां कलेक्ट्रेट पहुंचकर उन्होंने FSDA से लाइसेंस के लिए आवेदन किया। धर्मेंद्र सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा– "जैसे मेरे नाम की एक पहचान है, वैसे ही मैं अपने ब्रांड की भी पहचान बनाऊंगा। ये ब्रांड होगा 'देसी कोल्हू शुद्ध सरसों तेल' का, जो मिलावट से दूर और पूरी तरह स्वास्थ्यवर्धक होगा। जैसा कद, वैसा ऊंचा काम करूंगा।" उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एंट्री और पॉलिटिक्स के बारे में भी बताया।

कमिश्नर के परफार्मेंस-रिव्यू में फेल 180 दरोगा लाइन अटैच

वाराणसी। वाराणसी पुलिस कमिश्नर के परफॉर्मेंस रिव्यू में 180 दरोगाओं के फेल होने से कमिश्नरेट पुलिस की जमकर किरकिरी हुई। मेन वर्किंग में विफल दरोगाओं को पुलिस कमिश्नर ने पुलिस लाइंस से अटैच कर दिया है।आदेश जारी होते ही 40 दरोगाओं ने रविवार देर रात अपनी आमद पुलिस लाइन में करा ली। अब लाइन में 45–45 दरोगाओं के 4 बैच बनाकर पुलिसिंग सिखाई जाएगी। सुबह 6 से रात 8 बजे तक तीन दिन के शेड्यूल में इन दरोगाओं की फिजिकल, प्रैक्टिकल और थ्योरिटिकल क्लास चलेगी। परेड और दंगा नियंत्रण के साथ फुट पेट्रोलिग सीखेंगे। 4 IPS] 3 ASP] 6 ACP इन सभी इंस्पेक्टरों को ट्रेंड करेंगे। इसके अलावा इनका मिनट–टू मिनट टाइम टेबल भी तैयार किया गया है। पुलिसकर्मियों को अनुशासन, व्यवहार, नियम और आदेशों का पालन सिखाया जाएगा। इसके बाद फिर रिव्यू किया जाएगा। फेल होने वाले दरोगाओं के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

180 एसआई को पुलिस लाने में आमद कराने के निर्देश

पुलिसिंग रिव्यू में सभी सवालों में जीरो या 10 तक नंबर पाने 180 दरोगाओं पर कार्रवाई की गाज गिर सकती है। सीपी ने निर्देश जारी करने के साथ इनकी सूची बनाकर लाइंस में ट्रेनिंग के लिए अटैच किया गया है। इस ट्रेनिंग को आईपीएस, सीनियर पीपीएस और एसीपी कराएंगे।

सुबह 6 बजे परेड ग्राउंड में पहुंचे दरोगा

पुलिस कमिश्नर की सूची में शामिल 40 से अधिक दरोगा पुलिस लाइंस ग्राउंड पर बावर्दी पहुंच गए। लाइन में परेड और दौड़ में शामिल हुए। आरआई ने उन्हें पिस्टल, इंसास, थ्री नॉट थ्री समेत अन्य हथियार खोलने और बंद करने का अभ्यास शुरू कराया। सबसे पहले शारीरिक प्रशिक्षण फिर श्रमदान में लगाया गया। इन दरोगाओं से लाइन के कई काम कराए गए।

11 बजे से ब्ड डैशबोर्ड और IGRS का निस्तारण सीखेंगे दरोगा

पुलिस लाइंस मैदान में परेड के बाद सभी दरोगाओं को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के कक्ष में ले जाया जाएगा। इस कक्ष में दरोगाओं को लिखित विषयों पर बिंदुवार जानकारी दी जाएगी। इसमें वारदात का सीन क्रिएशन, विवेचना के अलावा सीएम डैश–बोर्ड, आइजीआरएस, जनता से संवाद और मूल बिंदु बताए जाएंगे। इसमें 11 बजे से लेकर 12.15 तक सीएम डैश–बोर्ड को बिंदु 1 से लेकर 25 तक सिखाया जाएगा। 12.30 बजे से 1.30 बजे तक **IGRS** की जानकारी दी जाएगी। इसके महत्वपूर्ण पहलुओं, निस्तारण की अवधि और प्रक्रिया पर चर्चा होगी। इसके बाद विवेचना से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। 2.30 बजे से 3.30 बजे तक नए भारतीय कानून ठछै और उनमें हुए संशोधन की जानकारी दी जाएगी। पहले दिन दरोगाओं की टीम शाम पांच बजे से लेकर 7 बजे तक दशाश्वमेध सर्किल में गश्त करेंगे।

8 बिंदुओं पर प्रशिक्षण, अधिकारियों को जिम्मेदारी

पुलिस कमिश्नर ने फेल हुए दरोगाओं के प्रशिक्षण के लिए आठ अहम बिंदुओं को तय किया है। इसमें सबसे पहले नंबर पर सीएम डैशबोर्ड, फिर **IGRS** हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी, एसआई मूल्यांकन योजना, साइबर अपराध के नए ट्रेंड से अवगत कराया जाएगा। इसके बाद तीन नए कानून यानि **BNS] BNSS] BSA** के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों में एडीसीपी काशी सरवणन टी, एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान, एडीसीपी क्राइम श्रुति श्रीवास्तव, एडीसीपी प्रोटोकॉल सतीश कुमार, ।क्ब्च गोमती, ।क्ब्च महिला अपराध, ।ब्च सारनाथ और एसीपी मुख्यालय को टीम में शामिल किया गया है।

इन सवालों पर हुई दरोगाओं की परीक्षा

- सीएम विंडों में आने वाली शिकायतों का निस्तारण कैसे कर रहे हैं?
- केस की विवेचना के लिए क्या पैरामीटर अपनाते हैं और कैसे लिखते हैं?
- एनबीडब्ल्यू को लागू कराने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाते हैं?
- नोटिस तामील कराते वक्त पब्लिक से कैसा व्यवहार रहता है?
- अपने-अपने थाना क्षेत्र में सीसीटीवी लगवाने के लिए क्या प्रयास किए?
- धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर अपनाने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई?
- बिना नंबर के कितने वाहन सीज किए और किस तरह का व्यवहार किया?
- वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कितने एक्टिव रहते हैं?
- आपके क्षेत्र में हुए अपराधों का खुलासा करने का प्रतिशत क्या है?

ये अधिकारी देंगे ट्रेनिंग

विषय	नामित अधिकारी
CM डैशबोर्ड	ADCP महिला अपराध
IGRS	ADCP प्रोटोकॉल
हेल्पलाइन नंबर	ADCP वरुणा
SI मूल्यांकन योजना	ADCP काशी
साइबर अपराध	ADCP अपराध
तीन नए कानून	BNS ADCP गोमती
तीन नए कानून	BNSS ACP सारनाथ
तीन नए कानून	BSA ACP मुख्यालय

दरोगाओं के फेल होने की कहानी

कमिश्नरेट लागू होने के बाद पहली बार पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कमिश्नरेट में तैनात सब इंस्पेक्टरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार कराई। इनके रिव्यू में 180 दरोगा बुरी तरह से फेल हो गए, 107 सब इंस्पेक्टर को हर सवाल पर डबल जीरो ही मिला। पता चला कि दरोगा आईजीआरएस और सीएम विंडो पर जनता की शिकायतें नहीं सुनते। 100 नंबर के रिव्यू में कोई भी दरोगा फर्स्ट डिवीजन पास नहीं हुआ।

स्आर परफॉर्मर भी 60ः अंक नहीं पा सके। 107 दरोगा को जीरो नंबर मिले है। 345 दरोगा के नंबर दहाई में भी नहीं आए। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने पुलिसिंग का रिव्यू किया, जिसमें 589 दरोगा शामिल हुए। रिव्यू में सामने आया कि 50 से ज्यादा दरोगा तो **FIR** भी नहीं लिख पाते। वहीं 100 दरोगा में कार्यशैली, टाइमिंग और संगठनात्मक क्षमता कम दिखी 478 दरोगा ऐसे निकले, जिनके 50 फीसदी नंबर नहीं आए। रिपोर्ट में सामने आया कि 400 से ज्यादा दरोगा ने बड़ा गुडवर्क नहीं किया। 300 से अधिक दरोगा ने छठॅ में कोई गिरफ्तारी नहीं की। 350 ने अपने इलाकों में एक भी लाउडस्पीकर नहीं उतरवाया। 550 दरोगा ने त्वरित कार्रवाई में लापरवाही दिखाई। 200 से ज्यादा ने एक भी विवेचना का निस्तारण नहीं किया। इसमें कई चौकी इंचार्ज भी हैं। काशी में 107 दरोगा को जीरो नंबर मिले। जनता की शिकायत नहीं सुनते, महिला स्टार परफॉर्मर से चौकी छिनी वाराणसी में दरोगा सीएम विंडो पर की गई जनता की शिकायतें नहीं सुनते। यह रिपोर्ट खुद पुलिसिंग रिव्यू में सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि जिले के 100ः सब इंस्पेक्टर ऐसे निकले, जिन्होंने शिकायत सुनने में रुचि ही नहीं दिखाई। इस रिपोर्ट से वाराणसी में पुलिसकर्मियों की पोल खुल गई है।

बेटी ने मां का गला रेतकर तड़पता छोड़ा

रात में सड़क पर घूमती रही, बायफ्रेंड बोला– तुम्हारी मां ने अलग किया।

लखनऊ। 15 साल की बेटी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर मां का गला रेत दिया। इसके बाद उसने तुरंत बॉयफ्रेंड को घर से भगा दिया और मां को तड़पता छोड़ खुद कुछ दूर जाकर मेन सड़क पर टहलने लगी। काफी देर तक घूमती रही। गश्त कर रहे सिपाही की नजर उस पर पड़ी। सिपाही ने पूछा– इतनी रात में अकेले क्यों घूम रही हो? इस पर उसने जवाब दिया कि मां की तबीयत खराब है, इसलिए घबराहट हो रही है। पुलिसकर्मी ने दवाई दिलाने की बात की, तो कहा– मां ने दवा खा ली है। इतना कहकर घर की ओर चली गई। लड़की का मुस्लिम समुदाय के लड़के से 3 साल से अफेयर था और वह उसी से शादी करने की जिद पर अड़ी थी। लड़का उसे शादी के लिए मां की हत्या करने के लिए भी उकसाता था। वह इस बात से इनकार करती रही, लेकिन 17–18 मई की रात दोनों ने मिलकर आखिरकार महिला की हत्या कर ही दी। यूपी की राजधानी में हुए इस हत्याकांड की दैनिक भास्कर ने इन्वेस्टिगेशन की। इसमें नाबालिगों के बीच उपजे प्यार और उस पर लगी पाबंदी, पाबंदी के बावजूद मिलना और बातें करना, लड़के का जेल जाना और लौटकर लड़की की मां को हत्या के लिए टारगेट करने जैसे तमाम राज जानने को मिले? चिनहट के सेमरा गांव में रहने वाली उषा सिंह की 15 साल की बेटी को अपने घर से करीब 400 मीटर दूर रहने वाले एक लड़के से प्यार हो गया। लड़का मुस्लिम समुदाय को होने की वजह से उषा सिंह को यह रिश्ता पसंद नहीं आ रहा था। इसी बीच एक साल पहले उषा की बेटी उस लड़के के साथ घर से भाग गई। इसके बाद उषा सिंह ने लड़के के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। लड़की को बरामद कर पुलिस ने लड़के को बाल सुधार गृह भेज दिया। बस यहीं से मां–बेटी के बीच दुश्मनी शुरू हो गई। बॉयफ्रेंड भी बेटी को मां के खिलाफ भड़काता था। 17 मई की आधी रात बेटी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर मां को मौत के घाट उतार दिया। फिर बॉयफ्रेंड को उसके घर भेज दिया।

मां के कपड़े उतारे, बगल में शराब की बोतल रखी

घर के अंदर आने के बाद लड़की के शातिर दिमाग में फिर एक प्लान आया। उसने वारदात को रेप और लूट के बाद हत्या का एंगल देने की कोशिश की। इसके लिए सबसे पहले उसने छत का दरवाजा खोल दिया। फिर नीचे आकर मां के सारे कपड़े उतार दिए। मां के बगल में शराब की बोतल रख दी। फिर छत पर जाकर जोर–जोर से चिल्लाने लगी। इस पर पड़ोसी भी घर से बाहर निकल आए। तब लड़की ने रोते–चिल्लाते कहा– बदमाशों ने मेरी मां को मार डाला। उसके बाद मामा रवि को फोन करके कहा– मां उठ नहीं रही है।

जल्दी आ जाओ। लड़की के मामा रवि को बहन उषा निर्वस्त्र अवस्था में खून से लथपथ मिली। उन्होंने पुलिस बुलाई। मौके से पुलिस को एक शराब की बोतल भी मिली। पुलिस ने लड़की से पूछताछ शुरू की, तो उसने गुमराह करना शुरू कर दिया। कहने लगी– मां के एक परिचित अक्सर घर आते थे। यहीं पर शराब पीते थे। उसने मां को चरित्रहीन साबित करके परिचितों को फंसाने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। लोगों ने कहा– लड़की की मां बहुत शरीफ थी।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी मामले में SC में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को फटकार लगाई और कहा कि उन्हें अभद्र टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा– हम तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक एसआईटी गठित कर रहे हैं और उनमें से एक आईजी या डीजीपी रैंक का होना चाहिए। हम चाहते है कि राज्य एसआईटी रिपोर्ट हमें सौंपे।

सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की माफी स्वीकार करने से भी किया इनकार

नई दिल्ली। कर्नल सोफिया पर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को फटकार लगाई और कहा कि उन्हें अभद्र टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। मामले में जस्टिस सूर्यकांत की दो सदस्यीय पीठ सुनवाई कर रही। अदालत में विजय शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह पेश हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा,

हम तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक एसआईटी गठित कर रहे हैं और उनमें से एक आईजी या डीजीपी रैंक का होना चाहिए। ये सभी राज्य से बाहर होने चाहिए। यह एक लिटमस टेस्ट है और हम चाहते हैं कि राज्य एसआईटी रिपोर्ट हमें सौंपे। हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के डीजीपी को मंगलवार सुबह 10 बजे तक आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया।

किस तरह की माफी मांगना चाहते हैं आप–सुप्रीम कोर्ट

विवादित बोल पर क्या है श्सुप्रीमश आदेश
जांच के लिए 3 आईपीएस वाली एसआईटी गठित
डीजीपी को एसआईटी गठित करने के आदेश
कल सुबह 10 बजे तक एसआईटी गठित होगी
एसआईटी में एक महिला आईपीएस अधिकारी भी शामिल रहेंगी
एसआईटी का नेतृत्व आईजी रैंक के अधिकारी करेंगे
पहली स्टेटस रिपोर्ट 28 मई को देनी होगी
विजय शाह की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक रहेगी।

विजय शाह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने कहा, विजय शाह माफी मांग रहे हैं।
इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आपकी माफी कहां है?, आप किस तरह कि माफी मांगना चाहते हैं, कभी–कभी झूठी माफी मांगी जाती है और कभी घड़ियाली आंसू बहाए जाते हैं। इनमें से आपकी प्रकृति कैसी है।

हमें आपका वीडियो दिखाना चाहिए

जस्टिस सूर्यकांत ने विजय शाह से कहा, श्आप एक पब्लिक फिगर हैं, राजनेता हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों का ख्याल रखना चाहिए। हमें यहां आपका वीडियो दिखाना चाहिए। आप वहां मंच पर खड़े थे, जहां आपने इस घटिया भाषा का इस्तेमाल किया, बहुत गंदी भाषा। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि आप रुक गए। ये सेना के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें बहुत जिम्मेदार होने की जरूरत है।

पूरा देश आप पर शर्मिंदा है SC

कोर्ट ने आगे कहा, ये एक ऐसा देश हैं जो कानून के शासन में विश्वास करता है। चाहे वह छोटा हो या बड़ा। न्यायाधीश किसी के खिलाफ पूर्वाग्रह नहीं रखते। इस न्यायालय के आदेशों से किसी को नुकसान नहीं होगा।
पूरा देश आप पर शर्मिंदा है। यह आप पर निर्भर है कि आप खुद को कैसे सुधारते हैं। हमने कुछ भी निर्देश नहीं दिया है। यह कहना कि हाईकोर्ट ने आपको दोषी ठहराया है, सही नहीं है।

संभल जामा मस्जिद सर्वे मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट से मस्जिद कमेटी को झटका सर्वे का रास्ता साफ

संवाददाता, प्रयागराज। संभल जिले में शाही जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने के दावे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी को झटका दिया है। एएसआई द्वारा सर्वे के आदेश के खिलाफ मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर दी गई है। न्यायमूर्ति आरआर अग्रवाल ने अंतरिम आदेश को रद्द करते हुए सर्वे का रास्ता साफ कर दिया है। जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर के दावे के मामले में मस्जिद कमेटी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से झटका मिला है।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित शाही जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने के दावे के मामले में मस्जिद कमेटी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से झटका मिला है।
एएसआई द्वारा सर्वे कराए जाने के आदेश के खिलाफ मस्जिद कमेटी की ओर हाई कोर्ट में दाखिल रिवीचन याचिका खारिज हो चुकी है, जिससे मस्जिद के सर्वे का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है।
रिवीचन याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आरआर अग्रवाल ने मामले में अंतरिम आदेश को विखंडित करते हुए यह आदेश दिया है।

सीएम योगी ने सोमवार को किया जनता दर्शन

प्रदेश भर से आए लोगों की सुनीं समस्याएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज से कई शिकायतें आईं जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए अफसरों को निर्देशित किया। पुलिस खेत की पैमाइश आवास चकरोड खेतों में कब्जा बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

ब्लागर, स्टूडेंट, गार्ड और बिजनेसमैन... जासूसी में 8 की हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब पूरा देश भारतीय सेना पर गर्व महसूस कर रहा था, तो देश में छिपे कुछ लोग पाकिस्तान को खुफिया जानकारी दे रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पुलिस ने 3 राज्यों से 8 लोगों को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। जासूसी का यह सिलसिला कई सालों से चल रहा था, वो भी सिर्फ चंद पैसों के लिए। इनमें 4 आरोपी हरियाणा, 3 पंजाब और 1 उत्तर प्रदेश से है। इस लिस्ट में मशहूर ट्रैवल व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा का नाम भी शामिल है, जिन्हें हरियाणा के हिसार से गिरफ्तार किया है। हिसार के एसपी शशांक कुमार का कहना है कि दुश्मन देश हमारे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को निशाना बना रहे हैं। वहीं पैसों की लालच में इंफ्लुएंसर्स भी गलत रास्ते पर चलने के लिए मान जाते हैं।
हरियाणा के हिसार में रहने वाली ज्योति मल्होत्रा श्ज्तंअमस ूपजी श्रव्श के नाम से यूट्यूब चौनल चलाती हैं। 33 वर्षीय ज्योति को पुलिस ने पिछले हफ्ते ही गिरफ्तार किया था। ज्योति पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान को दी हैं। ज्योति पाकिस्तान हाई कमीशन के संपर्क में थी और उन्होंने 2 बार पाकिस्तान की यात्रा की है। पाक एजेंसियां ज्योति को अपनी खुफिया जासूस बनाना चाहती थी। पटियाला के खालसा कॉलेज में पढ़ने वाले देवेंद्र सिंह ढिल्लों को पुलिस ने 12 मई के दिन हरियाणा के कैथल से गिरफ्तार किया। 25 वर्षीय देवेंद्र पिस्तौल और बंदूक के साथ फेसबुक पर तस्वीरें पोस्ट करते था। पूछताछ में पता चला कि वो पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान गए था। साथ ही उन्होंने ै को पटियाला सैन्य अड्डे की खुफिया जानकारी भी दी थी। नोमान इलाही हरियाणा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते था। कुछ दिन पहले पुलिस ने नोमान को पानीपत से गिरफ्तार किया। रिपोर्ट्स की मानें तो 24 वर्षीय नोमान पाकिस्तान में किसी ै हैंडलर के संपर्क में था। नोमान उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। नोमान को भारत की खुफिया जानकारी देने के बदले में पाकिस्तान से पैसे मिलते थे।

आपरेशन सिंदूर के बाद 8 पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार। 8 जासूसों में 4 हरियाणा, 3 पंजाब और 1 उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार। सभी को सौंपा गया था अलग–अलग टास्क।

अरमान

16 मई को पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर 23 वर्षीय अरमान को हरियाणा के नूंह से गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि हाल के भारत–पाक तनाव के दौरान अरमान पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेज रहा था। पुलिस के पास इसके कई सबूत हैं।

शहजाद

उत्तर प्रदेश के रामपुर में रहने वाला शहजाद पेशे से बिजनेसमैन है। स्पेशल टास्क फोर्स (ज्थ) ने शहजाद को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया है। शहजाद ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी ै के हैंडलर्स को दी है। शहजाद कई बार पाकिस्तान भी जा चुका है। साथ ही वो मसालों, कपड़ों और कॉस्मेटिक की अवैध तस्करी में भी शामिल है।

मोहम्मद मुर्तजा अली

मोहम्मद मुर्तजा अली को गुजरात पुलिस ने जालंधर से गिरफ्तार किया था। खुफिया एजेंसियों को शक था कि मोहम्मद पाकिस्तानी एजेंसी ै के लिए जासूसी करता है। मोहम्मद ने खुद एक मोबाइल एप बनाया था, जिसके जरिए वो पाक एजेंसियों को खुफिया जानकारी भेजता था। पुलिस को मोहम्मद के पास 4 मोबाइल फोन और 3 सिम कार्ड मिले हैं।

आपरेशन सिंदूर के बाद पूरे देश की पुलिस हाई अलर्ट पर है। इसी कड़ी में पुलिस ने 3 राज्यों से 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है। इस कड़ी में हरियाणा से 4 पंजाब से 3 और उत्तर प्रदेश से 1 गिरफ्तारी हुई है। आखिर यह सभी आरोपी कौन हैं और पाकिस्तान ने इन्हें ही क्यों चुना?

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने परिवार संग मनाया जन्मदिन

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी की मशहूर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने 18 मई को अपना जन्मदिन मनाया है। एक्ट्रेस ने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। कुछ को–एक्टर्स ने शिवांगी को जन्मदिन की बधाई दी हैं। इन्हीं लोगों के बीच शिवांगी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने भी उन्हें बर्थ डे विश किया है। शिवांगी जोशी को दर्शक सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के जरिए पहचानते हैं। वह इस सीरियल से घर–घर मशहूर हुईं। इन दिनों शिवांगी एक नए सीरियल की शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना जन्मदिन परिवार के साथ मनाया और सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

जन्मदिन की तस्वीरें की साझा

शिवांगी ने अपने जन्मदिन की जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, उनमें वह आसमानी रंग की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं, साथ ही एक प्रिंसेस वाला टियारा यानी क्राउन भी उनके हाथ में नजर आ रहा है। एक तस्वीरें में वह अपने परिवार के साथ जन्मदिन का केक काट रही हैं। शिवांगी की इन तस्वीरों को फैंस ने भी काफी लाइक किया है।

कुशल टंडल ने भी किया सोशल मीडिया पोस्ट

कुशल टंडन ने भी शिवांगी जोशी को बर्थ डे विश किया है, एक इंस्टाग्राम स्टोरी एक्ट्रेस के जन्मदिन पर लगाई है। इस पोस्ट में शिवांगी की तस्वीर लगी है और उस पर लिखा है, 'हैप्पी बर्थ डे, डियर। एक डायमंड की तरह हमेशा चमकती रहो।' कुशल और शिवांगी को लेकर चर्चा है कि दोनों डेट कर रहे हैं। कई बार दोनों को साथ पार्टी करते देखा गया है।

इस सीरियल में अब आएंगी नजर

जल्द ही सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में एक्ट्रेस शिवांगी जोशी नजर आएंगी। सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में शिवांगी जोशी के साथ हर्षद चोपड़ा नजर आएंगे। इस सीरियल को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं।

कांस रेड कार्पेट पर फट गई उर्वशी की ड्रेस

ट्रोलर्स बोले– पहली इंडियन एक्ट्रेस जिसने कांस में फटी हुई ड्रेस पहनी, पहले भी हुई थी फजीहत

मुम्बई। उर्वशी रौतेला इन दिनों कांस फिल्म फेस्टिवल में पहुंचकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। पहले दिन तोते वाला क्लच, दूसरे दिन रिवॉल्विंग डोर में फंसने के बाद अब उर्वशी ड्रेस फटने से ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। हालांकि ड्रेस फटने के बावजूद उर्वशी ने पूरे कॉन्फिडेंट के साथ वॉक पूरी की थी। कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट से उर्वशी रौतेला की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सामने आई हैं। कांस में आखिरी दिन उर्वशी ने ब्लैक शीर शोल्डर वाली लॉन्ग गाउन पहनी थी और साथ में बन बनाया था। हालांकि जैसे ही उन्होंने फ्लाइंग किस देने के लिए हाथ ऊपर किए, वैसे ही हर किसी का ध्यान उनके कंधे के नीचे तरफ गया, जिस जगह की ड्रेस फटी हुई थी।

वीडियो सामने आने के बाद एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने एक्ट्रेस की वीडियो के साथ लिखा है, उर्वशी रौतेला–पहली इंडियन एक्ट्रेस जिसने कांस में फटी हुई ड्रेस पहनी? कांस रेड कार्पेट उर्वशी ने भी अपनी उसी ड्रेस में तस्वीरें पोस्ट की हैं, हालांकि उनके अकाउंट से पोस्ट हुई तस्वीरों का एंगल ऐसा है, जिसमें ड्रेस का फटा हुआ हिस्सा नजर नहीं आ रहा है।

कांस इवेंट से पहले रिवॉल्विंग डोर में फंस गई थीं उर्वशी

कांस के दूसरे दिन उर्वशी रौतेला अपनी भारी–भरकम ड्रेस के साथ रिवॉल्विंग डोर में फंस गईं। उन्हें निकालने के लिए टीम को भी मशक्कत करनी पड़ी थी। रिपोर्ट के मुताबिक सामने आया हुआ वीडियो कार्ल्टन होटल कहा है, जहां उर्वशी ठहरी थीं। कांस के दूसरे दिन एक्ट्रेस ऑफ व्हाइट लॉन्ग ट्रेल ड्रेस पहनकर इवेंट के लिए रवाना होने वाली थीं, लेकिन एंट्रेंस में ही एक्ट्रेस रिवॉल्विंग ड्रेस में फंस गईं। होटल स्टाफ और टीम की मदद से उर्वशी को जैसे–तैसे निकाला गया। एक्ट्रेस करीब 25 मिनट तक डोर में फंसने से खड़ी रहीं। इस दौरान उन्हें परेशान होते भी देखा गया।

रेड कार्पेट में पोज दे रही थीं उर्वशी, सिक्योरिटी टीम ने हटने को कहा

कांस के पहले दिन उर्वशी रौतेला मल्टीकलर गाउन, पैरेट क्लच और मल्टीकलर क्राउन में रेड कार्पेट का हिस्सा बनी थीं। रेड कार्पेट पर उर्वशी एक जगह ठहरीं और फोटोग्राफर्स को पोज देने लगीं, तभी वहां मौजूद सिक्योरिटी टीम के एक सदस्य ने उनके पास जाकर उन्हें वहां से हटने को कहा गया।

'सरदार का ग्रैंडसन' के चार साल पूरे होने पर अभिनेता ने शेयर किया वीडियो क्लिप, लिखा भावुक नोट

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने बीते दिन रविवार को अपनी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' की रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर एक्टर ने एक भावुक पोस्ट शेयर किया। 18 मई 2021 में अर्जुन कपूर अभिनीत फिल्म श्सरदार का ग्रैंडसनश रिलीज हुई, जिसने रविवार को अपनी रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा है। साथ ही हाल ही में दिवंगत हुई अपनी दादी को याद किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या लिखा।

अर्जुन ने शेयर किया फिल्म का क्लिप

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म श्सरदार का ग्रैंडसनश के चार साल पूरा होने पर, बीते दिन रविवार को फिल्म का एक क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इस वीडियो में एक्ट्रेस नीना गुप्ता अभिनेता की दादी के रूप में दिख रही हैं, जो उन्हें समझाती बुझाती नजर आ रही हैं। इस क्लिप को शेयर करते हुए अर्जुन कपूर ने अपनी दिवंगत दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए भावुक नोट लिखा है।

एक्टर ने अपनी दादी को किया याद

फिल्म का क्लिप साझा करते हुए अर्जुन कपूर ने स्टोरी में एक नोट लिखा। उन्होंने कहा, 'अपने दादा–दादी के लिए मैंने अपने दिल का यह छोटा सा टुकड़ा चार साल पहले बनाया था। इस फिल्म को याद करके बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैंने दो सप्ताह पहले ही अपने आखिरी ग्रैंडपैरेंट को खोया है। मुझे उम्मीद है कि मेरे चारों ग्रैंडपैरेंट्स जहां भी होंगे खुश और मुस्कुराते हुए होंगे। रब रक्खा।' आपको बताते चलें कि इसी महीने 2 मई को 90 साल की उम्र में अभिनेता की दादी निर्मल कपूर का निधन मुंबई में हो गया था।

गिरफ्तार हुईं बांग्लादेशी एक्ट्रेस नुसरत फारिया

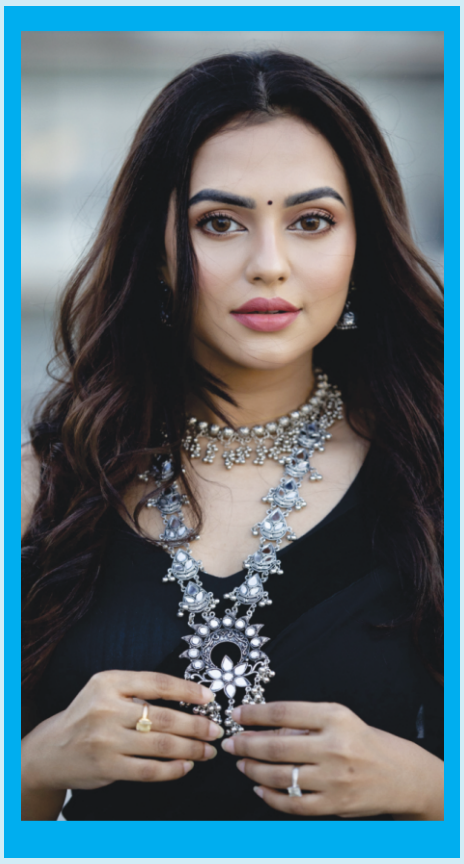

छात्र की हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था, थाइलैंड रवाना होने वाली थी एक्ट्रेस

मुम्बई।शेख मुजीब उर रहमान की बायोपिक मुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशन में शेख हसीना का किरदार निभाने वालीं बांग्लादेशी एक्ट्रेस नुसरत फारिया की रविवार शाम एयरपोर्ट से गिरफ्तारी हुई है। एक्ट्रेस का नाम एक हत्या के प्रयास के मामले में सामने आया है। ढाका ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट के अनुसार, नुसरत की गिरफ्तारी ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हुई है। उन्हें वाटर पुलिस स्टेशन ले जाया गया था, जिसके बाद उन्हें ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच को सौंप दिया गया है।

नुसरत फारिया ढाका से थाइलैंड के लिए रवाना होने वाली थीं, तभी उन्हें एयरपोर्ट के इमिग्रेशन चेक पॉइंट पर रोक लिया गया था और फिर पुलिस को सूचित किया गया। एक्ट्रेस के खिलाफ लंबे समय से गिरफ्तारी वारंट जारी है। एक्ट्रेस को बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एक शख्स की हत्या करने के प्रयास के मामले में संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया है।

बीते साल बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान वातारा इलाके में एक छात्र की हत्या की कोशिश हुई थी। इस मामले में 2024 में नुसरत फारिया समेत 17 के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। बता दें कि ये मामला तब का है जब बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ जमकर विरोध हुआ था। हिंसा इतनी भड़क गई थी कि उन्हें इस्तीफा देकर जान बचाते हुए बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। उनके देश छोड़ते ही हिंसा और भड़क गई थी और प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुसकर सारा सामान लूट लिया था।

नुसरत फारिया के फिल्मी करियर की बात करें तो एक्ट्रेस 2023 में रिलीज हुई बांग्लादेश के पहले प्रेसिडेंट मुजीब उर रहमान की बायोपिक में नजर आई थीं। उन्होंने फिल्म में शेख हसीना का किरदार निभाया था। ये भारत–बांग्लादेश के को–प्रोडक्शन में बनी थी, जिसका निर्देशन श्याम बेनेगल ने किया था। इसके अलावा नुसरत फारिया बांग्लादेशी फिल्मों आशिकी, हीरो 420 और ऑपरेशन सुंदरबन जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। आने वाले सालों में उनकी 6 फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

एशियाई स्वर्ण पर नजरें

सौ मीटर की बाधा दौड़ धाविका ज्योति याराजी पुरानी तकनीक पर लौटी

भारत की एशियाई खेल रजत पदक विजेता सौ मीटर की बाधा दौड़ धाविका ज्योति याराजी ने चोट लगने के बाद अपनी रनिंग तकनीक में बदलाव का इरादा छोड़ दिया है और अब उनकी नजरें पुरानी तकनीक के साथ एशियाई चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखने पर लगी हैं।

स्पोर्ट्स डेस्क। ज्योति ने कहा, मैंने 2024 ओलंपिक से पहले तकनीक में बदलाव किया था, लेकिन दो बार चोट लग गई। मैंने और मेरे कोच जेम्स हिलियेर ने अब तय किया है कि पुरानी तकनीक ही जारी रखेंगे। भारत की एशियाई खेल रजत पदक विजेता सौ मीटर की बाधा दौड़ धाविका ज्योति याराजी ने चोट लगने के बाद अपनी रनिंग तकनीक में बदलाव का इरादा छोड़ दिया है और अब उनकी नजरें पुरानी तकनीक के साथ एशियाई चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखने पर लगी हैं। याराजी दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई तक होने वाली एशियाई चौम्पियनशिप में भाग ले रही भारत की 59 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने 2023 में बैंकॉक में 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण जीता था।

उन्होंने टीम की रवानगी से पहले कहा, मैंने 2024 ओलंपिक से पहले तकनीक में बदलाव किया था, लेकिन दो बार चोट लग गई। मैंने और मेरे कोच जेम्स हिलियेर ने अब तय किया है कि पुरानी तकनीक ही जारी रखेंगे जिसमें बाधाओं के बीच आठ कदम उठाती हूं। याराजी ने कहा, अगर मैं स्वस्थ और चोटमुक्त रही तो लगातार बेहतर प्रदर्शन कर सकूंगी और यही मेरा लक्ष्य है। मैं छोटी छोटी गलतियों से सबक लेकर उनमें सुधार करना चाहती हूं। वहीं 5000 और 10000 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके गुलवीर सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य विश्व चौंपियनशिप के लिये क्वालिफाई करना है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि कोरिया में विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर सकूंगा। मैंने 5000 मीटर में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल कर लिया है।

मैं कुछ नहीं बोलूंगा

नीरज चोपड़ा पर टिप्पणी करने से बचे अरशद, भारत–पाकिस्तान तनाव पर की बात

स्पोर्ट्स डेस्क। नदीम ने गुरुवार को कहा– भारत के साथ चल रहे संघर्ष के कारण मैं नीरज के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम ने स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हाल ही में चोपड़ा ने पाकिस्तान के अरशद को एनसी क्लासिक टूर्नामेंट में आमंत्रित किया था, जिसकी वजह से उनकी आलोचना हुई थी।

नीरज पर टिप्पणी करने से बचे अरशद

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। नीरज ने पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट को इस हमले से पहले प्रतियोगिता के लिए निमंत्रण दिया था, जिसकी वजह से उनकी काफी आलोचना हुई थी। नदीम ने गुरुवार को कहा– श्भारत के साथ चल रहे संघर्ष के कारण मैं नीरज के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

पाकिस्तान की सेना का समर्थन किया

इस दौरान नदीम ने पाकिस्तानी सेना का समर्थन किया। उन्होंने कहा– मैं एक गांव से हूं और मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि मैं और मेरा परिवार हमेशा अपनी सेना के साथ खड़ा रहेगा।

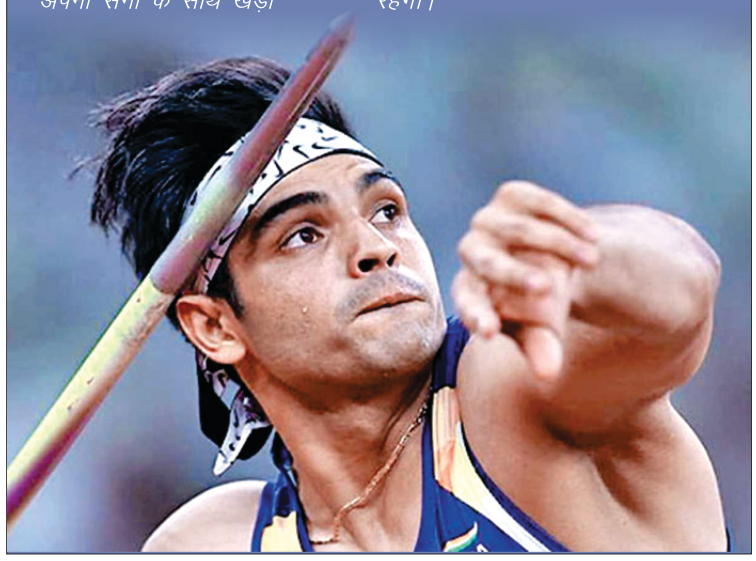

खेल जगत की रोचक खबर

इन 59 खिलाड़ियों में से जो खिलाड़ी तिरुवनंतपुरम ट्रेनिंग केंद्र में मौजूद थे उनको गुरुवार को गुमी के लिए रवाना होना था। हालांकि, इसको लेकर अभी तक अपडेट का इंतजार है।

कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप

एएफआई ने 22 खिलाड़ियों के वीजा मुद्दे को सुलझाया

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि दक्षिण कोरिया में 27 मई से शुरू होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप के लिए जाने वाले 22 खिलाड़ियों के वीजा मुद्दे सुलझा लिए गए हैं जिससे दल समय पर पहुंच जाएगा। एएफआई ने गुमी में 27–31 मई को होने वाली महाद्वीपीय चौंपियनशिप के लिए 59 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को छोड़कर ज्यादातर शीर्ष स्टार खिलाड़ी शामिल होंगे। चोपड़ा के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद नहीं थी क्योंकि इस सत्र में उनका ध्यान डायमंड लीग प्रतियोगिता और सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चौंपियनशिप पर ही लगा है। एएफआई महासचिव संदीप मेहता ने टीम के रवाना होने से पहले मीडिया से कहा, ''खेल मंत्रालय और दक्षिण कोरिया दूतावास के प्रयासों से हमें खिलाड़ियों के वीजा बृहस्पतिवार शाम को मिल जाएंगे। मामला सुलझ गया है। 'पता चला है कि विभिन्न कारणों से 22 खिलाड़ियों के वीजा में देरी हुई। इन 59 खिलाड़ियों में से जो खिलाड़ी तिरुवनंतपुरम ट्रेनिंग केंद्र में मौजूद थे उनको गुरुवार को गुमी के लिए रवाना होना था। हालांकि, इसको लेकर अभी तक अपडेट का इंतजार है। वहीं बंगलूरू, पटियाला और मुंबई में ट्रेनिंग कर रहे खिलाड़ी दिल्ली से रवाना होंगे। मेहता ने कहा, श्हमने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है और हमें इस बार 25 से 30 पदक मिलने की उम्मीद है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

पंजाब के 3 खिलाड़ी अंडर–19 भारतीय टीम में सिलेक्ट

इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे, पूर्व क्रिकेटर हरभजन ने PCA की तारीफ की, कहा–और भी दावेदार तैयार

जालंधर। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने पंजाब के युवा क्रिकेटरों विहान मल्होत्रा, राहुल कुमार और अनमोलजीत सिंह को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर–19 टीम में चुने जाने पर बधाई दी है। तीनों को आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम में शामिल किया गया है। इस दौरे में 50 ओवर का अभ्यास मैच, उसके बाद पांच मैचों की युवा वनडे सीरीज और 24 जून से 23 जुलाई तक इंग्लैंड अंडर–19 के खिलाफ दो बहु–दिवसीय मैच शामिल हैं।

हरभजन ने एक वीडियो जारी कर तीनों खिलाड़ियों को बधाई दी

हरभजन ने अंडर–19 टीम में पंजाब के तीन खिलाड़ियों को शामिल किए जाने पर खुशी जताई और भारतीय क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में लगातार काम करने के लिए पंजाब क्रिकेट संघ की प्रशंसा की। पंजाब क्रिकेट संघ के मुख्य सलाहकार हरभजन ने कहा– यह बहुत खुशी का दिन है क्योंकि पंजाब के तीन खिलाड़ियों को अंडर–19 टीम में शामिल किया गया है। विहान, राहुल और अनमोलजीत बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। हरभजन ने कहा– मैं प्रार्थना करता हूं कि वे विजयी होकर लौटें और उनके परिवारों और कोचों को हार्दिक बधाई। बाएं हाथ क्रिकेट के सलामी बल्लेबाज विहान पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार दिवसीय मैचों के लिए भारत की अंडर–19 टीम के उप–कप्तान थे। वहीं, बाकी दो खिलाड़ियों ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन दिखाया है।

हरभजन सिंह बोले– आगे भी पंजाब से कई मजबूत दावेदार आ रहें

हरभजन सिंह ने कहा– पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने हमेशा भारत और बीसीसीआई के हित में काम किया है और आगे भी करता रहेगा। पंजाब के युवा भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं । भारतीय टीम के लिए पंजाब से कई मजबूत दावेदार आ रहे हैंय इसका पूरा श्रेय पीसीए को जाता है और मुझे पीसीए का हिस्सा होने पर गर्व है।